अनुक्रमणिका

''मृणाल पाण्डे के नाटको में चित्रित समस्याएँ''

प्राक्कथन

1. **प्रथम अध्याय : मृणाल पाण्डे : व्यक्तित्व एवं कृतित्व** 1-21

प्रस्तावना

1.1 **जीवन परिचय –**

1.1.1 जन्म-तिथी,

1.1.2 जन्म-स्थान,

1.1.3 माता-पिता,

1.1.4 नाना-नानी,

1.1.5 पति संतान,

1.1.6 पारिवारिक जीवन,

1.1.7 रहन-सहन,

1.1.8 मित्र-प्रेमी,

1.1.9 शिक्षा,

1.1.10 नौकरी,

1.1.11 प्रेरणा

1.2. **व्यक्तित्व –**

1.2.1 बहिरंग व्यक्तित्व

1.2.2 अंतरंग व्यक्तित्व

1.2.2.1 बहुभाषी,

1.2.2.2 कुशाग्र बुद्धिमता

1.2.2.3 साहसी

1.2.2.4 स्वाभिमानी

1.2.2.5 शिक्षा एवं कलाप्रेमी

1.2.2.6 यात्री

1.2.2.7 मातृभूमि से प्रेम

1.2.2.8 सामाजिक विकास की भावना

1.2.2.9 युवाओं की प्रेरणा स्त्रोत

1.2.2.10 नारी मानसिकता की ज्ञाता

1.2.2.11 संपादिका एवं संस्थापिका

1.3. **कृतित्व –**

1.3.1 साहित्यिक कृतित्व
1.3.1.1 कहानी साहित्य
1.3.1.2 उपन्यास साहित्य
अंग्रेजी उपन्यास साहित्य
1.3.1.3 नाटक साहित्य
नाट्य रूपांतरण साहित्य
1.3.1.4 **अन्य साहित्य–**
अंग्रजी लेख संकलन
धारावाहिक लेख साहित्य
1.3.2. **सम्मान एवं पुरस्कार –**
सम्मान
पुरस्कार
साहित्य
पत्रकारिता
निष्कर्ष -

2. **द्वितीय अध्याय : ''मृणाल पाण्डे के नाटकों का सामान्य परिचय''** 22-38
प्रस्तावना
2.1 'जो राम रचि राखा'
2.2 'आदमी जो मछुआरा नहीं था'
2.3 'चोर निकल के भागा'
2.4 'मुक्तिकथा'
2.5 'मौजुदा हालात को देखते हुए'
निष्कर्ष -

3. **तृतीय अध्याय : ''मृणाल पाण्डे के नाटकों में चित्रित सामाजिक समस्याएँ''** 39-77
प्रस्तावना -
3.1 समस्या -
3.1.2 समस्या शब्द की उत्पति
3.1.3 समस्या : अर्थ एवं परिभाषा
3.1.4 समस्या का स्वरूप
3.1.5 समस्या निर्माण के कारण
3.1.6 आधुनिक समाज में समस्या का स्वरूप
3.1.7 समस्या के प्रकार

3.1.8 आधुनिक हिंदी नाटकों में समस्या
निष्कर्ष -
3.2. **समाज –**
प्रस्तावना
3.2.1 समाज : अर्थ एवं परिभाषा
3.2.2 समाज का स्वरूप
3.2.3 समाज की विशेषताएँ
वर्ण व्यवस्था
परिवार
मानवता
राजव्यवस्था
आर्थिक व्यवस्था
उत्सव-समारोह
3.2.4 समाज के वर्गीकरण के आधार
3.2.5 समाज का वर्गीकरण
3.3. **मृणाल पाण्डे के नाटकों में चित्रित सामाजिक समस्याएँ –**
प्रस्तावना -
3.3.1 अंधविश्वास
3.3.2 जाति-भेद
3.3.3 विदेशी शिक्षा का आकर्षण एवं परिणाम
3.3.4 दहेज
3.3.5 अपराधवृत्ति
3.3.6 कला
3.3.6.1 कलाकार की रोजी -रोटी
निष्कर्ष -

4. **चतुर्थ अध्याय : ''मृणाल पाण्डे के नाटकों में चित्रित राजनीतिक समस्याएँ''** 78-96

प्रस्तावना -
4.1 भ्रष्टाचार
4.2 दफ्तरी रिश्वतखोरी
4.3 कानून
4.4 कर्मचारी वर्ग

4.5 धरना, बंद आंदोलन
4.6 प्रशासनिक अव्यवस्था
4.7 महानगरों में बढ़ती हुई आबादी
4.8 राजनीतिक षड्यंत्र
निष्कर्ष -

5. **पंचम अध्याय – ''मृणाल पाण्डे के नाटकों में चित्रित आर्थिक समस्याएँ''** 97-108

प्रस्तावना -
5.1 सुशिक्षित बेकारी
5.2 गरीबी
5.3 आर्थिक शोषण
5.4 ऋण
निष्कर्ष

उपसंहार 109-115
संदर्भ ग्रंथ –सूची 116-120